पुणे जिल्हा शिक्षण मंडळ, पुणे

प्रथम सत्र परीक्षा - (2020-21)

कक्षा - 12 वी | अंक - 50

समय - 2 1/2 घंटे | विषय - हिंदी | पेजेस - 4

कृतिपत्रिका के लिए सूचनाएँ :

1) सूचना के अनुसार गद्य, पद्य तथा पूरक पठन की कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है ।
2) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही उपयोग करें ।
3) आकृतियों में लिखे उत्तर पेन से ही लिखना आवश्यक हैं ।
4) सभी प्रश्न एवं कृतियाँ आवश्यक है ।

विभाग 1 - गद्य अंक 14

कृति 1. क) निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : (6)

1) संजाल पूर्ण कीजिए । 2

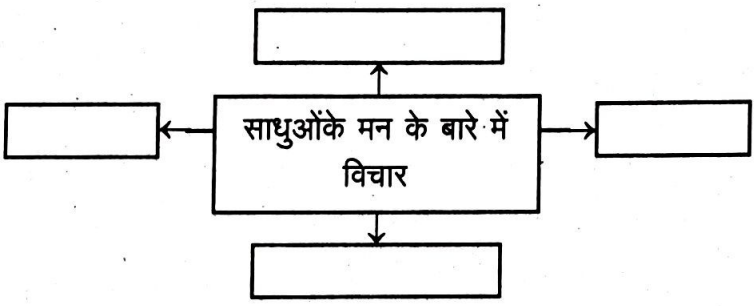

प्रभात का समय था, आसमान में बरसती हुई प्रकाश की किरणें संसार पर नवीन जीवन की वर्षा कर रही थीं । बारह घंटों के लगातार संग्राम के बाद प्रकाश ने अँधेरे पर विजय पाई थी । इस खुशी में फूल झूम रहे थे, पक्षी मीठे गीत गा रहे थे, पेडों की शाखाएँ खेलती थीं और पत्ते तालियाँ बजाते थे । चारों तरफ खुशियाँ झूमती थीं । चारों तरफ गीत गूँजते थे । इतने में साधुओं की एक मंडली शहर के अंदर दाखिल हुई । उनका खयाल था - मन बड़ा चंचल है । अगर इसे काम न हो, तो इधर-उधर भटकने लगता है और अपने स्वामी को विनाश की खाई में गिराकर नष्ट कर डालता है । इस भक्ति की जंजीरों से जकड़ देना चाहिए । साधु गाते थे ।

सुमर-सुमर भगवान को,
मूरख मत खाली छोड़ इस मन को ।

जब संसार को त्याग चुके थे, उन्हें सुर-ताल की क्या परवाह थी । कोई ऊँचे स्वर में गाता था, कोई मुँह में गुनगुनाता था । और लोग क्या कहते हैं, इन्हें इसकी जरा भी चिंता न थी । वे अपने राग में मगन थे कि सिपाहीयों ने आकर घेर लिया और हथकिडियाँ लगाकर अकबर बादशाह के दरबार को ले चले ।

आ) निम्नलिखित शब्दों के लिए परिच्छेद में आए पर्याय वाची शब्द लिखिए : (4 में से 2) 1

1) आकाश
2) उजियाला
3) मालिक
4) युद्ध

इ) विलोम शब्द लिखिए : (4 में से 2) 1

1) एक x
2) शहर x
3) प्रकाश x
4) परवाह x

ई) 'प्राकृतिक सौंदर्य का सकारात्मक प्रभाव' इस विषय पर 6 से 8 पंक्तियों में अपने विचार लिखिए : 2

ख) निम्नलिखित प्रश्नोंके उत्तर 60 से 80 शब्दों में लिखिए : (4 में से 2) 6

1) आदर्श बदला कहानी के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए ।
2) 'उड़ो बेटी, उड़ो ! पर धरती पर निगाह रखकर' इस पंक्ति में निहित सुगंधा की माँ के विचार स्पष्ट कीजिए ।
3) 'पाप के चार हथियार' निबंध का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए ।
4) ओजोन विघटन संकट से बचने के लिए किए गए अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों को संक्षेप में लिखिए ।

ग) उत्तर लिखिए : (3 में से 2) 2

1) सुदर्शनजी का मूल नाम लिखिए ।
2) 'पाप के चार हथियार' कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' जी के इस निबंध संग्रह से लिया गया पाठ है ?
3) आशारानी व्होरा जी के लेखनकार्य का प्रमुख उद्देश्य लिखिए ।

विभाग 2 – पद्य अंक 12

कृति 2. अ) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : (5)

बल नहीं होता सताने के लिए
वह है पीड़ित को बचाने के लिए ।
बल मिला है तो बल बनो सबके,
उठ पड़ो न्याय दिलाने के लिए ।
जिसको मंजिल का पता रहता है,
पथ के संकट को वही सहता है ।
एक दिन सिद्धि के शिखर पर बैठ,
अपना इतिहास वही कहता है
प्रीति की राह पर चले आओ,
नीति की राह पर चले आओ ।
वह तुम्हारी ही नहीं, सबकी है,
गीति की राह पर चले आओ ।

1) संजाल पूर्ण कीजिए । 1

[ ] ← [बल होता है] → [ ]

2) कृति पूर्ण कीजिए । 1

1) जिसे मंजिल का पता रहता है वह →
1) [ ]
2) [ ]

3) निम्नलिखित शब्दों से उपसर्ग युक्त शब्द तैयार कीजिए 1

1) नीति – 2) बल –

4) 'कठोर मेहनत से ही ध्येयप्राप्ति' इस विषयपर 6 से 8 पंक्तियों में अपने विचार लिखिए : 2

आ) उत्तर लिखिए । (2 में से 1) 1

1) कवि वृंदजी की प्रमुख रचनाएँ लिखिए ।
2) चुनिंदा शेर कैलाश सेंगर जी के इस गजल संग्रहसे ली गई कविता है ?

इ) **निम्नलिखित का रसास्वादन 100 से 120 शब्दों में लिखिए । (2 में से 1)** **(6)**

1) 'गुरुनिष्ठा और भक्तिभाव से ही मानव श्रेष्ठ बनता है' इस कथन के आधारपर 'गुरुनानी' कविता का रसास्वादन कीजिए ।

2) 'पेड़ हौसला है, पेड़ देता है,' इस कथन के आधारपर 'पेड़ होने का अर्थ' इस कविता का रसास्वादन कीजिए ।

विभाग 3 - विशेष अध्ययन अंक 6

कृति 3. अ) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए : **(6)**

अच्छा मेरे महान कनु
मान लो कि क्षण भर को
मैं यह स्वीकार लूँ
कि मेरे ये सारे तन्मयता के गहरे क्षण
सिर्फ भावावेश थे,
सुकोमल कल्पनाएँ थीं
रँगे हुए, अर्थहीन, आकर्षक शब्द थे -
    मान लो कि
    क्षण भर को
    मैं यह स्वीकार लूँ
    कि
    पाप-पुण्य, धर्माधर्म, न्याय-दंड
    क्षमा-शीलवाला यह तुम्हारा युद्ध सत्य है -
तो भी मैं क्या करूँ कनु,
मैं तो वही हूँ
तुम्हारी बावरी मित्र
जिसे सदा उतना ही ज्ञान मिला
जितना तुमने उसे दिया ।

1) **कृति पूर्ण कीजिए ।** **2**

1) कनुप्रिया की तन्मयता के गहरे क्षण सिर्फ ये थे

1) [ ]
2) [ ]
3) [ ]
4) [ ]

2) कनुप्रिया के अनुसार यही युद्ध का सत्य स्वरुप है **2**

1) [ ]
2) [ ]
3) [ ]
4) [ ]

3) 'युद्ध' के संदर्भ में अपने विचार 6 से 8 पंक्तियों में लिखिए । **2**

विभाग 4 – व्यावहारिक हिंदी, पारिभाषिक शब्दावली अंक 12

कृति 4. अ) निम्नलिखित में से किसी एक का उत्तर 100 से 120 शब्दों में लिखिए । **(6)**

1) 'लालच का फल बुरा होता है' इस उक्ति का विचार पल्लवन कीजिए ।
2) फीचर लेखन के सोपानों को स्पष्ट कीजिए ।
3) उत्तम मंच संचालक के लिए आवश्यक गुण विस्तार से लिखिए ।

आ) निम्नलिखित में से एक का उत्तर 80 से 100 शब्दों में लिखिए । **(4)**

1) पल्लवन की प्रकिया और शैली पर प्रकाश डालिए ।
2) फीचर लेखन करते समय बरती जानेवाली सावधानियों पर प्रकाश डालिए ।
3) सूत्र संचालन के विविध प्रकारों पर प्रकाश डालिए ।

इ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो के पारिभाषिक शब्द लिखिए । **2**

1) Ambassador -
2) Deduction -
3) Temporary -
4) Eligibility -

विभाग 5 व्याकरण – अंक–06

कृति 5. अ) सूचना के अनुसार कालपरिवर्तन कीजिए । (3 में से 2) **2**

1) प्रकाश उसमें समा जाता है । (पूर्ण वर्तमानकाल)
2) पढ़–लिखकर नौकरी करने लगा है । (सामान्य भविष्यत्काल)
3) गर्ग साहब ने अपने वचन का पालन किया । (सामान्य भविष्यत्काल)

ब) निम्नलिखित पंक्तियों में उद्धृत अलंकार पहचानकर उनके नाम लिखिए । (4 में से 2) **2**

1) पायो जी मैंने राम रतन धन पायो ।
2) चरण–कमल–सम कोमल ।
3) जान पड़ता है नेत्र देख बड़े–बड़े ।
   हीरकों में गोल नीलम हैं जड़े ।।
4) पत्रा ही तिथि पाइयों, वाँ घर के चहुँ पास
   नितप्रति पून्यो रहयो, आनन–ओप उजास ।।

क) निम्नलिखित पंक्तियों में उद्धृत रस पहचानकर उनके नाम लिखिए । **2**

1) तू दयाल दीन हौं, तू दानि हौं भिखारी
   हौं प्रसिद्ध पातकी, तू पाप पुंजहारि ।
2) एक अचंभा देखा रे भाई ।
   ठाढा सिंह चरावै गाई ।
   पहले पूत पाछे माई ।
   चेला के गुरु लागे पाई ।।
3) राम के रुप निहारति जानकी, कंकन के नग की परछाई ।
   यातै सबै सुधि भूलि गई, कर टेकि रही पल टारत नाही ।
4) माला फेरत जुग भया, गया न मन का फेर ।
   कर का मन का डारि कैं, मन का मन का फेर ।।

अथवा

निम्नलिखित मुहावरोंका अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए । (4 में से 2)

1) वाह–वाह करना ।
2) गले के नीचे उतरना ।
3) धरतीपर निगाह रखना ।
4) चट्टानों पर फूल खिलाना ।

◆ ◆ ◆